

ये अव्यक्त इशारे

अब अपने दाता स्वरूप को प्रत्यक्ष करो

20-09-2026

आप ईश्वरीय सेवाधारी सेवा करने वाले हो न कि सेवा लेने वाले, अगर सेवा लेने वाले बनते हो तो नाम प्रमाण कर्तव्य नहीं हुआ। खुदाई-खिदमतगार सेवा लेते नहीं, देते हैं क्यों कि दाता के बच्चे हैं। जैसे बाप कुछ लेते नहीं, वह तो सदा देते हैं, ऐसे आप भी देने वाले बनो। अगर कभी प्राब्लम रूप बनते हो तो भी सेवा लेते हो, जो कोई भी प्रकार की एक्स्ट्रा सेवा लेते हैं उन्हें यह नशा कभी नहीं रहेगा कि हम दाता वा वरदाता के बच्चे हैं।

Now reveal your form of a bestower

You Godly servers are those who serve, not those who are served by others. If you become those who take service, your duty is not then according to your name. Godly servers do not take service, they do service because they are the children of the Bestower. Just as the Father never takes anything and always gives, in the same way, you also have to become those who give. If you ever become problematic, that would also be taking service. Anyone who takes any type of extra service from others will never have the intoxication of being a child of the Bestower and the Bestower of Blessings.